संक्रमण – विषाणु

वॉर्ट

प्रमुख बिन्दु

- **त्वचा पर वॉर्ट विषाणुओं के संक्रमण से उभरते हैं**
- **बिना किसी उपचार के लगभग दो तिहाई वॉर्ट दो सालों में स्वतः ही लुप्त हो जाते हैं। यह कोई आजीवन दाग भी नहीं छोड़ते हैं।**
- **दाग न छोड़ने वाले वॉर्ट पेंट के प्रयोग जैसी उपचार विधियॉं सबसे अच्छी रहती हैं**

यह क्या हैं?

बच्चों में वॉर्ट काफी आम-तौर से उभर आते हैं और यह विषाणुओं के संक्रमण से पनपते हैं। यह नवजातावस्था और बचपन के आरंभ के वर्षो में बहुत कम दिखायी पड़ते हैं, परन्तु बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ बहुतायत में विकसित होने लगते हैं।

यह कठोर और उभरे हुए त्वचा के रंग के धब्बों जैसे दिखते हैं और इनकी सतह खुरदुरी और छीलनदार प्रतीत होती है। त्वचा पर खरोंचों के स्थान पर नये वॉर्ट बनते रहने के कारण इनका आकार व संख्या अनिश्चित रहती है। यह शरीर के किसी भी भाग में विकसित हो सकते हैं, परन्तु बच्चों में हाथों और घुटनों पर यह अक्सर दिखायी पड़ते हैं। पैर के तलुओं पर विकसित होने वाले वॉर्ट को प्लैन्टर वॉर्ट कहते हैं।वॉर्ट हाथों के पृष्ठ-भाग और चेहरे पर त्वचा के रंग के सतही धब्बों के रूप में भी पनप सकते हैं।

यह कैसे फैलते हैं?

त्वचा पर खरोंचों के स्थान पर विषाणुओं के घुस जाने से संक्रमण पैदा हो जाता है। प्रभावित व्यक्ति के वॉर्ट से सीधे संपर्क से यह सर सकते हैं, विशेषतः यदि त्वचा पर खरोंचें हों। किसी सीधे संपर्क के बिना भी यह फैल सकते हैं। विषाणु स्नानागारों या तरण-तालों जैसे आर्द्र स्थानों पर पनपते हैं और इन स्थानों पर नंगे पैर घूमने से यह पैरों के द्वारा शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। यह दॉंत से नाखुन काटने वाले बच्चों के नाखुनों के छोरों पर उभर सकते हैं। जो बच्चे अपनी अंगुलियॉं चूसते हैं, उनके होठों पर भी वॉर्ट विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

इनसे बचाव कैसे किया जा सकता है?

प्रयोग के बाद नहाने के टब को ध्यानपूर्वक धोना चाहिये। एक-दूसरे के तौलिओं का प्रयोग नहीं करने चाहिये और तैरते या स्नान करते समय पैरों के वॉर्ट को ढक कर रखना

चाहिये। बच्चे वॉर्ट को दाँत से काट या नोच सकते हैं।इससे बचाव के लिए इन पर बैंडेड लगाना अच्छा रहता है।

इनका उपचार कैसे किया जाता है?

बिना किसी उपचार के लगभग दो तिहाई वॉर्ट दो सालों में स्वतः ही ठीक हो जाते हैं। त्वचा पर कोई दाग या धब्बा भी नहीं छूटता है। इसलिए हरेक वॉर्ट का उपचार कराना आवश्यक नहीं है।

दवाई-विक्रेता के पास उपलब्ध बिना नुस्खे के वॉर्ट-पेंट का उपयोग लाभदायक हो सकता है, पर इसका प्रयोग कई महीनों के लिए नियमित रूप से किया जाना चाहिये। मलने से पूर्व वार्ट को गर्म पानी से भिगो कर ऊपर की सूखी त्वचा को छील कर निकालने से वॉर्ट-पेंट अंदर तक प्रवेश कर सकता है।

यदि वॉर्ट में पीड़ा या कोई अन्य समस्या होने लगे, तो चिकित्सक इनको तरल-नाइट्रोजन से जमा कर नष्ट कर सकता है। परन्तु यह प्रक्रिया पीड़ादायक होती है और छोटे बच्चों के लिए अनुकूल नहीं है। बच्चों के लिए उपयुक्त कुछ अन्य विधियों में वॉर्ट को जला कर, या काट या नोच कर निकाला जा सकता है, परन्तु इस प्रक्रिया से आजीवन दाग छूट सकते हैं।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent’s Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.